14 मार्च 2026
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सिविल न्यायालयों में परिचर-चपरासी भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा 15 मार्च को, 16 केन्द्रों पर 8444 अभ्यर्थी होंगे शामिल

2

एक नजर

55 लाख की जगह 76 लाख सिलेंडर हो रहे बुक

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच भारत में ऊर्जा संकट और गैस की किल्लत की खबरों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों और ह्यपैनिक बाइंगह्न (डर में आकर ज्यादा सामान खरीदना) के बीच केंद्र सरकार ने मोर्चा संभाला है। शुक्रवार को पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने देशवासियों को वर्तमान स्थिति की जानकारी दी और शांति बनाए रखने की अपील की। सरकार ने साफ कहा है कि देश में गैस की उतनी कमी नहीं है जितनी दिखाई जा रही है, बल्कि डर की वजह से बुकिंग अचानक बढ़ गई है। आम दिनों में हर दिन लगभग 50-55 लाख सिलेंडर बुक होते हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों में यह आंकड़ा बढ़कर 75-76 लाख तक पहुंच गया है। सरकार ने लोगों से कहा है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत से ज्यादा गैस सिलेंडर जमा न करें।

बिहार में जमीन सर्वे में लगे अमीनों के लिए सरकार का तोहफा

पटना। डिप्टी सीएम और राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को विशेष भूमि सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण का काम तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।समीक्षा बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जो अमीन सर्वेक्षण कार्य में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्हें आगे विभाग में होने वाली स्थायी बहाली में प्राथमिकता दी जाएगी. उनका कहना था कि इससे कर्मियों में काम के प्रति उत्साह बढ़ेगा और सर्वेक्षण कार्य तेजी से पूरा हो सकेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक सर्वेक्षण कार्य में जहां-जहां देरी हुई है, उन कारणों की पहचान की जाए। इसके बाद उन समस्याओं को तुरंत दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि अब इस काम की माइक्रो मॉनिटरिंग की जाएगी।

असम शांति और विकास का नया अध्याय लिख रहा : प्रधानमंत्री मोदी

- पीएम ने असम दौरे पर कांग्रेस पर चुन-चुन कर किए प्रहार

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज असम के कोकराझार की जनता से मुखातिब हुए। कुछ ही हफ्ते बाद इस राज्य में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। ऐसे में पीएम मोदी ने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का समर्थन करने की अपील करते हुए जनता के सामने बीते कुछ वर्षों मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने असम की जनता से कहा, 'आपका प्यार मुझ पर एक कर्ज की तरह है, और मेरा लक्ष्य हमेशा से आपकी सेवा करके और इस क्षेत्र के विकास के लिए काम करके इस कर्ज को चुकाना रहा है। कुछ हफ़्ते पहले, मुझे गुवाहाटी में समृद्ध बोडो संस्कृति को देखने का अवसर मिला था। यह देखकर मुझे गर्व महसूस होता है कि बोडो समुदाय ने अपनी भाषा और संस्कृति को किस तरह से सहेजकर रखा है। पीएम मोदी ने कहा, भाजपा की डबल इंजन सरकार असम की विरासत के संरक्षण और असम के तेज विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। आज यहां इस कार्यक्रम में ही इस क्षेत्र के विकास के लिए 4,500 करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकापर्ण हुआ है। इसमें से 1,100 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि बोडोलैंड की सड़कों के लिए खर्च होने जा रही है।प्रधानमंत्री ने कहा कि असम माला अभियान के तीसरे चरण से असम की रोड़ कनेक्टिविटी और अधिक सशक्त होगी। 'असम शांति और विकास का नया अध्याय लिख रहा है'पूर्वोत्तर में हो रहे बदलावों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'कोकराझार सहित इस पूरे क्षेत्र ने बीते दशकों में बहुत कुछ सहा था, बहुत कुछ खोया था। हमने वो मुश्किल समय देखा है, जब इन पहाड़ियों में बम-बंदूक की ही गूंज सुनाई देती थी। लेकिन आज ये तस्वीर बदल रही है। आज बोडोलैंड शांति और विकास की राह पर चल पड़ा है... आज असम शांति और विकास का नया अध्याय लिख रहा है।'

बोडोलैंड कांग्रेस के विश्वासघात का साक्षी रहा है

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों को आड़े हाथों लेते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'दशकों तक बोडोलैंड का ये क्षेत्र कांग्रेस के विश्वासघात का साक्षी रहा है। बोडोलैंड की अनेक पीढ़ियों को कांग्रेस ने झूठे सपनों में उलझाए रखा। दिल्ली में बैठी कांग्रेस की सरकारों ने सिर्फ दिखावे के लिए कागजी समझौते किए। जब आपने देश और असम दोनों जगह से कांग्रेस को खदेड़ा और भाजपा-एनडीए को अवसर दिया, तो हमने ईमानदारी से प्रयास शुरू किए।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारत का झंडा लगा फ्यूल टैंकर रवाना

एजेंसी/ नई दिल्ली

गैस संकट के बीच एक अच्छी खबर सामने आई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि भारत का झंडा लगा एक तेल टैंकर 'जग प्रकाश' जो ओमान से अफ्रीका गैसोलीन ले जा रहा है, होर्मुज स्ट्रेट से के पूर्व से रवाना हो गया है। बीते दो हफ्तों से खाड़ी में जहाजों की आवाजाही बाधित है, क्योंकि ईरान इस क्षेत्र को निशाना बना रहा है। यह अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में किया जा रहा है, जिनमें 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। जहाजरानी मंत्रालय के स्पेशल सेकेट्री राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि गुरुवार क होर्मुज स्ट्रेट के पूर्व में, ओमान की खाड़ी में भारत के झंडे वाले चार जहाज फंसे हुए थे, जिनमें से एक जग प्रकाश अब रवाना हो गया है। तीन जहाज अभी भी फंसे हुए हैं और उन पर 76 भारतीय नाविक सवार हैं।इसी बीच भारत में ईरानी के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कहा कि ईरान भारत को सुरक्षित रास्ता देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत और ईरान दोस्त हैं। उन्होंने कहा कि भारत और ईरान के बीच लंबे समय से सहयोग और विश्वास का रिश्ता है।

भारत की कुल शोधन क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन

देश में तेल और गैस का संकट नहीं : सुजाता शर्मा

- राज्यों को जमाखोरी पर सख्ती के निर्देश

एजेंसी/ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में ईरान और इस्त्राइल-अमेरिका के बीच जारी तनाव और होर्मुज क्षेत्र में तेल व गैस के जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने की खबरों के बीच भारत में ईंधन संकट की आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने साफ कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और देश में तेल-गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराकर बुकिंग या खरीदारी न करने की अपील की। संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत की कुल शोधन क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन है और देश पेट्रोल व डीजल के उत्पादन में आत्मनिर्भर है। उन्होंने कहा कि देश की सभी रिफाइनरियां फिलहाल 100 प्रतिशत या उससे अधिक क्षमता पर काम कर रही हैं और उनके पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। इस वजह से पेट्रोल और डीजल के आयात की आवश्यकता नहीं है।

देशभर के एलपीजी वितरकों में कहीं भी गैस खत्म होने की स्थिति नहीं

एलपीजी आपूर्ति को लेकर शर्मा ने कहा कि देशभर के 25 हजार से अधिक एलपीजी वितरकों में कहीं भी गैस खत्म होने की स्थिति नहीं आई है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के एलपीजी उपलब्ध कराई जा रही है और अस्पतालों व शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर दिए जा रहे हैं।

एलपीजी का घरेलू उत्पादन 30 प्रतिशत बढ़ा

उन्होंने बताया कि 5 मार्च की तुलना में रिफाइनरियों में एलपीजी का घरेलू उत्पादन लगभग 30 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों को राज्य सरकारों को उपलब्ध कराया गया है ताकि जरूरत के अनुसार प्राथमिकता तय कर उनका वितरण किया जा सके। संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को पाइप्ड नेचुरल गैस और कंप्रेस्ड नेचुरल गैस की आपूर्ति भी बिना किसी कटौती के जारी है। उन्होंने वाणिज्यिक उपभोक्ताओं से अपील की कि किसी भी जानकारी के लिए वे अपने स्थानीय सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क या अधिकृत डीलरों से संपर्क

सरकार 48 हजार किलोलीटर अतिरिक्त केरोसिन का करेगी वितरण

उन्होंने बताया कि राज्यों से यह भी कहा गया है कि वे जिलों में ऐसे स्थान चिन्हित करें जहां केंद्र सरकार द्वारा मंजूर अतिरिक्त 48 हजार किलोलीटर केरोसिन का वितरण किया जा सके। इसके अलावा वैकल्पिक ईंधन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कोल इंडिया को छोटे और मध्यम उपभोक्ताओं के लिए कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

संसद में गूंजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मनमानी

एजेंसी/ नई दिल्ली

स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के लुभावने वादे और इलाज के बाद क्लेम करने पर नियम-कायदों का पेच फंसाकर मरीजों को परेशान करने का मुद्दा राज्य सभा में गूंजा। आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल और राष्ट्रीय जनता दल के संजय यादव ने शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए सरकार से स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की मांग की। सांसद स्वाति मालीवाल ने संसद में कहा कि निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का ऐसा मकड़जाल बन गया है, जो आम इंसान की कमर तोड़ रहा है। मानवीय संवेदनाओं से जुड़े कई दृश्यों का उल्लेख करते हुए सांसद ने कहा कि अक्सर ऐसा होता है, जब अस्पताल में मरीज की मौत हो जाती है, बीमा कंपनी क्लेम खारिज कर देती है और अस्पताल शव देने से मना कर देता है। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियां सेलिब्रिटीज से विज्ञापन करवाती हैं, मिनटों में एप्रूवल का वादा करती हैं। बाद में मरीज अस्पताल और बीमा कंपनी के बीच की टेनिस बाल बन जाते हैं। तमाम व्यावहारिक परेशानियों का उल्लेख करते हुए आप सांसद ने दावा किया कि आईआरडीएआई के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, एक ही साल में 26,000 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम खारिज हुए, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत अधिक है। साथ ही भारत के अधिकांश बड़े हास्पिटल चेन और बीमा कंपनियां अब फारेन प्राइवेट इक्विटी फंड के हाथों में हैं, जिनका एकमात्र लक्ष्य है तीन से पांच साल में 25 प्रतिशत रिटर्न। उन्होंने कहा एक ऐसी कंपनी जो आनलाइन बीमा के लगभग 93 प्रतिशत बाजार को नियंत्रित करती है, अब अस्पतालों में भी निवेश कर रही है। वही कंपनी पालिसी बेचेगी, अपने अस्पताल में एडमिट करेगी और फिर क्लेम पर

एअर इंडिया के बाद इंडिगो की भी टिकटें महंगी

नई दिल्ली। एअर इंडिया के बाद इंडिगो की फ्लाइट्स भी कल से महंगी हो जाएंगी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी ने शुक्रवार को सभी घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 'फ्यूल सरचार्ज' लगाने की घोषणा की है। एयरलाइन ने बताया कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी जंग की वजह से जेट फ्यूल की कीमतें 85% तक बढ़ गई हैं। इस कारण घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट्स की टिकटों पर 425 से 2300 तक सरचार्ज लगाया जाएगा। एक्सट्रा फ्यूल चार्ज के साथ टिकटों की नई कीमतें 14 मार्च रात 12 बजे से लागू हो जाएंगी।इंडिगो ने यात्रियों पर पड़ने वाले बोझ को कम रखने के लिए अलग-अलग दूरी के हिसाब से चार्ज तय किया है।

बंगाल में 'संदिग्ध' मतदाताओं पर चुनाव आयोग की पैनी नजर

एजेंसी/ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के दौरान पाए गए करीब 60 लाख संदिग्ध मतदाताओं के आवेदन को लेकर चुनाव से पहले फैसला हो जाएगा। चुनाव आयोग ने इसे लेकर लगाए गए न्यायिक अधिकारियों को तेजी लाने के निर्देश दिए है। साथ ही उम्मीद जताई है कि कोई भी योग्य मतदाता चुनाव के दौरान मतदान से वंचित नहीं होगा। आयोग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में पाए गए संदिग्ध मतदाताओं में से अब तक 15 लाख से अधिक संदिग्ध मतदाताओं के आवेदन का न्यायिक अधिकारियों ने निस्तारण कर दिया है। सूत्रों के कईयों के नाम हट रहे हैं और कईयों के जुड़े रहे हैं। हर दिन करीब डेढ़ से दो लाख आवेदनों का निस्तारण किया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो 12 से 15 दिनों में भीतर सभी संदिग्ध मतदाता के आवेदनों को निस्तारण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए करीब 550 न्यायिक अधिकारियों को इस काम में लगाया गया है। इनमें बंगाल के साथ ही झारखंड और ओडिशा के न्यायिक अधिकारियों की भी मदद ली गई है। बंगाल में न्यायिक अधिकारियों की यह तैनाती सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर की गई है।

मार्च क्लोजिंग में बिजली विभाग का बड़ा अभियान, 10 हजार से अधिक बकायेदारों के कट रहे कनेक्शन

■ छापेमारी से मचा हड़कंप, किस्तों में भुगतान की भी दी गई सुविधा

केटी न्यूज/डुमरांव

मार्च क्लोजिंग के साथ ही बिजली विभाग ने बकाया बिल वसूली को लेकर सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। विभाग द्वारा बकायेदार उपभोक्ताओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए छापेमारी शुरू कर दी गई है। इस दौरान जिन उपभोक्ताओं पर 10 हजार रुपये से अधिक का बिजली बिल बकाया है, उनके कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जा रही है। अचानक शुरू हुए इस अभियान से क्षेत्र के बकायेदार उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया है।

कोरानसराय प्रशाखा क्षेत्र में विभाग ने ऐसे करीब 300 उपभोक्ताओं की पहचान की है, जिनका बिजली बिल लंबे समय से बकाया है। विभागीय अधिकारियों के निर्देश पर इन उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। टीमों द्वारा गांव-गांव जाकर बकायेदारों के घरों पर छापेमारी की जा रही है और बकाया राशि जमा नहीं करने वालों का बिजली कनेक्शन काटा जा रहा है। कोरानसराय प्रमंडल के सहायक विद्युत अभियंता अर्जुन वर्मा के निर्देशन में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नया भोजपुर के कनीय विद्युत अभियंता जितेंद्र कुमार, चौगाईं के कनीय विद्युत अभियंता शैलेश कुमार सहित अन्य अभियंताओं की टीम गठित की गई है। सभी टीमें अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार अभियान चलाकर बकायेदारों को चिन्हित कर रही हैं और उनसे बकाया बिल जमा करने के लिए कहा जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार मार्च माह बिजली विभाग के लिए राजस्व वसूली का महत्वपूर्ण समय होता है। ऐसे में मुख्यालय से स्पष्ट निर्देश मिला है कि लंबित बिजली बिल की वसूली हर हाल में सुनिश्चित की जाए। कई उपभोक्ता लंबे समय से बिजली का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन बिल का भुगतान नहीं कर रहे हैं, जिससे विभाग को राजस्व का नुकसान हो रहा है और व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसी को देखते हुए सख्त कार्रवाई की जा रही है।

हालांकि विभाग ने उपभोक्ताओं को राहत देने की भी व्यवस्था की है। अधिकारियों ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं को एकमुश्त बकाया राशि जमा करने में परेशानी है, वे किस्तों में भी भुगतान कर सकते हैं। उपभोक्ता चाहें तो आधी-आधी राशि जमा कर अपने बकाया बिल का निपटारा कर सकते हैं। विभाग का मुख्य उद्देश्य बकाया राशि की वसूली करना है, ताकि राजस्व की स्थिति मजबूत हो सके। सहायक विद्युत अभियंता ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा लागू 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना का लाभ केवल नई खपत पर लागू होता है। जिन उपभोक्ताओं के ऊपर योजना लागू होने से पहले का बिल बकाया है, उन्हें वह राशि जमा करना अनिवार्य होगा। विभाग की कार्रवाई पुराने बकाया को लेकर ही की जा रही है।

विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि कनेक्शन काटे जाने के बाद भी कहीं अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाया गया तो संबंधित उपभोक्ता के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। अधिकारियों ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि समय रहते अपना बिजली बिल जमा कर दें, ताकि कनेक्शन काटने जैसी कार्रवाई से बचा जा सके।

गैस आपूर्ति के अफवाहों को लेकर प्रशासन सख्त, बिना ओटीपी भी मिल जाएगा सिलेंडर

■ जमाखोरी और कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई, एजेंसियों पर दंडाधिकारी व पुलिस की तैनाती

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और कहीं भी गैस की कमी नहीं है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। गैस सिलेंडर की बुकिंग अब 25 दिन पूरे होने के बाद ही की जाएगी और निर्धारित समय पूरा होने पर उपभोक्ताओं को बिना किसी परेशानी के दूसरा सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशासन ने लोगों की सुविधा को देखते हुए एक महत्वपूर्ण राहत भी दी है। अब अगले आदेश तक गैस वितरण के लिए ओटीपी अनिवार्य नहीं रहेगा। यानी उपभोक्ता बुकिंग के बाद बिना ओटीपी के भी गैस सिलेंडर प्राप्त कर सकेंगे। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को हो रही असुविधा को कम करने के उद्देश्य से लागू की गई है। इसके साथ ही जिला प्रशासन ने सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि घरेलू (डोमेस्टिक) गैस सिलेंडर का उपयोग किसी भी प्रकार से व्यावसायिक कार्यों में नहीं किया जाना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति, एजेंसी या संस्था को घरेलू गैस का व्यावसायिक इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि गैस सिलेंडर और पेट्रोलियम पदार्थों की जमाखोरी तथा कालाबाजारी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति या संस्थान पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। स्थिति पर कड़ी निगरानी बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। अफवाहों और गलत सूचनाओं को रोकने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, खासकर व्हाट्सएप ग्रुपों पर साइबर टीम के माध्यम से लगातार नजर रखी जा रही है। अफवाह फैलाने वालों और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं गैस एजेंसियों पर पारदर्शी वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर और डुमरांव के निर्देश पर सभी गैस एजेंसियों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। प्रत्येक एजेंसी पर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक दंडाधिकारी की निगरानी में गैस सिलेंडर का वितरण कराया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि जिला स्तर पर स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए लगातार निगरानी और समन्वय के साथ कार्रवाई की जा रही है।

अफवाह से मची गैस के लिए अफरा-तफरी, एजेंसी पर उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

राजपुर : प्रखंड के राजपुर स्थित इंद्रमणि गैस एजेंसी के बाहर शुक्रवार को अचानक बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। रसोई गैस की संभावित कमी की अफवाह के कारण लोग सुबह से ही सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर जमा होने लगे। देखते ही देखते स्थिति ऐसी बन गई कि वहां अफरा–तफरी का माहौल पैदा हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी राजेश कुमार तथा राजपुर थाना अध्यक्ष निवास कुमार ने एजेंसी परिसर पहुंचकर लोगों को शांत कराया और व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को उनके नंबर के अनुसार सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशासन की ओर से उपभोक्ताओं को टोकन व्यवस्था के तहत गैस वितरण की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं को अब तक गैस नहीं मिला है, वे अपना टोकन जमा कर दें। निर्धारित क्रम के अनुसार सभी को गैस उपलब्ध कराई जाएगी। इसके बाद लोगों में फैली घबराहट धीरे–धीरे कम हुई और स्थिति सामान्य होने लगी। थाना अध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि बाजार में कुछ लोग यह अफवाह फैला रहे हैं कि आने वाले दिनों में गैस की भारी किल्लत हो जाएगी या सिलेंडर के लिए अधिक पैसे देने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी बातों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर अफवाह फैलाता है या कालाबाजारी की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, पिछले एक सप्ताह से खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसी को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में गैस की कमी की आशंका फैल गई। नतीजतन कई लोग एक साथ गैस लेने एजेंसी पहुंच गए, जिससे अचानक भीड़ बढ़ गई। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर भरोसा न करें और जरूरत के अनुसार ही गैस लें, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा सके।

एक नजर

डीके कॉलेज में धरिक्षणा कुंवरी सम्मान की शुरूआत, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

डुमरांव। डुमरांव स्थित डीके कॉलेज में संस्थापिका बिहार विभूति धरिक्षणा कुंवरी की स्मृति में पहली बार ह्यधरिक्षणा कुंवरी सम्मान समारोहह्न का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित कर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह कार्यक्रम मूल रूप से महिला दिवस के अवसर पर आयोजित किया जाना था, लेकिन उस दिन महाविद्यालय में परीक्षा होने के कारण इसे बाद में आयोजित किया गया। कॉलेज की प्रथम महिला प्राचार्य डॉ. वीणा कुमारी की पहल पर इस सम्मान समारोह की शुरूआत की गई है। उनका उद्देश्य समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को पहचान और सम्मान देना है, ताकि अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सके। इस सम्मान के लिए नामों का चयन महाविद्यालय परिवार की वृहद बैठक में सर्वसम्मति से किया गया। चयन समिति ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं के योगदान पर विचार-विमर्श करने के बाद इस वर्ष के सम्मानित व्यक्तियों का चयन किया। समारोह में बिहार राज्य महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष ऊषा झा को महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं बिहार वित्त आयोग की पूर्व सदस्य और जेडी विमेंस कॉलेज, पटना के अर्थशास्त्र विभाग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. नंदनी मेहता को समावेशी विकास और महिला केंद्रित योजनाओं को प्रोत्साहित करने में उनकी भूमिका के लिए सम्मान प्रदान किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय परिवार से जुड़ी कर्मठ महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। कॉलेज की प्रधान सहायक अर्चना सिन्हा तथा परिसर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में अहम योगदान देने वाली सफाईकर्मी सोनी, पुष्पा और गुड़िया को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. वीणा कुमारी ने की। मंच संचालन डॉ. साहिला और रुचि बाला ने किया। समारोह में सुमित्रा कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शोभा सिन्हा, डीके कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. राजू मोची, डॉ. उषा रानी सहित महाविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के सम्मान से समाज में महिलाओं की भूमिका को नई पहचान मिलती है।

आठ माह से मानदेय नहीं, फूटा आशा कर्मियों का गुस्सा, राजपुर सीएचसी में ठप रही ओपीडी

केटी न्यूज/राजपुर

आठ महीने से मानदेय भुगतान नहीं होने से नाराज आशा फैसिलेटर और आशा कर्मियों का गुस्सा शुक्रवार को फूट पड़ा। प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) राजपुर परिसर में जुटी आशा कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए ओपीडी समेत अन्य स्वास्थ्य सेवाओं को करीब एक घंटे तक ठप कर दिया। इस दौरान कर्मियों ने विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और जल्द भुगतान नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी। सुबह से ही बड़ी संख्या में आशा फैसिलेटर और आशा कार्यकर्ता सीएचसी परिसर में एकत्रित हो गईं। विरोध जता रही कर्मियों का कहना था कि अगस्त 2025 से लेकर फरवरी 2026 तक का मानदेय अब तक नहीं मिला है, जबकि वे लगातार सरकार की सभी स्वास्थ्य योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके बावजूद उनके मेहनत की कमाई का भुगतान लंबित है। आशा फैसिलेटर पुष्पा कुमारी, संगीता कुमारी और रमावती कुमारी के साथ ही आशा कर्मी धनजीरा देवी, आशा देवी, सुशीला देवी, बिंदु देवी, मीरा देवी, गीता देवी, रूबी देवी, रीता देवी, चंद्रावती देवी और रोजी खातून ने बताया कि मानदेय भुगतान को लेकर कई बार संबंधित विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। समस्या जस की तस बनी रही। कर्मियों ने कहा कि आशा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर गर्भवती महिलाओं की देखभाल, टीकाकरण अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता और विभिन्न सरकारी योजनाओं को सफल बनाने में दिन-रात मेहनत करती हैं। इसके बावजूद महीनों तक मानदेय नहीं मिलना उनके साथ अन्याय है। प्रदर्शन कर रही आशा कर्मियों ने यह भी बताया कि पिछले कुछ महीनों में होली समेत कई महत्वपूर्ण पर्व आए, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण परिवार के साथ त्योहार भी ठीक से नहीं मना सके। कई कर्मियों को मजबूरी में कर्ज लेकर घर का खर्च चलाना पड़ रहा है। आशा कर्मियों का कहना था कि अब हालात ऐसे हो गए हैं कि घर चलाना भी मुश्किल हो गया है। अगर जल्द भुगतान नहीं हुआ तो वे काम बंद कर पूर्ण रूप से हड़ताल पर चली जाएंगी।

बक्सर में अवैध ट्रक एंट्री गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने दो को दबोचा

■ ओवरलोड ट्रकों को बिना वैध कागजात शहर से बाहर कराने का था खेल, मोबाइल से खुला गिरोह का राज

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस ने अवैध ट्रक एंट्री से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह कथित रूप से विभागीय मिलीभगत से ओवरलोड ट्रकों को बिना वैध कागजात के शहर से बाहर भेजने का काम करता था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक बोलेरो वाहन और दो मोबाइल भी बरामद किए हैं। मामले में नगर थाना में कांड संख्या 139/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 11 मार्च को सूचना मिली थी कि एक काले रंग की बोलेरो के माध्यम से अवैध ट्रक एंट्री गिरोह सक्रिय है। गिरोह से जुड़े लोग ओवरलोड ट्रकों को बिना वैध कागजात के शहर से बाहर निकलवाने का काम कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सूचना का सत्यापन शुरू किया। इसी दौरान आईटीआई मैदान के पास संदिग्ध बोलेरो वाहन को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही चालक वाहन लेकर भागने लगा। इसके बाद पुलिस ने पीछा करते हुए काफी मशक्कत के बाद वाहन को कांतिन गेट के समीप रोक लिया।

वाहन की तलाशी लेने पर उसमें सवार दो युवकों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसके बाद पुलिस ने उनके मोबाइल फोन की गहन जांच की, जिसमें ह्यबक्सर मोबाइल एसआई ग्रुपह्न नामक व्हाट्सएप ग्रुप सक्रिय पाया गया। जांच में सामने आया कि इस ग्रुप के माध्यम से अवैध ट्रक एंट्री से संबंधित गतिविधियों की सूचना साझा की जाती थी।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नवकाटपुर निवासी चंद्रहास सिंह के पुत्र गंगाधर सिंह और मिश्रवलिया निवासी तेजनारायण सिंह के पुत्र भरत सिंह के रूप में हुई है। दोनों के मोबाइल में मिले चैट और संपर्कों के आधार पर पुलिस को इस गिरोह के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी मिली है।

पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि ओवरलोड ट्रकों को बिना वैध कागजात के सुरक्षित तरीके से शहर से बाहर भेजने में इन दोनों की अहम भूमिका थी। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुट गई है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अवैध ट्रक एंट्री और ओवरलोडिंग के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। इस कार्रवाई को लेकर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस पूरे ऑपरेशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर गौरव पांडेय, नगर थाना के पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

कंबोडिया में फंसे बक्सर के चार युवक, 19 फरवरी से संपर्क टूटा

मंत्रालय से लेकर जनप्रतिनिधियों तक लगाई गुहार

केटी न्यूज/डुमरांव

रोजगार की तलाश में विदेश गए बक्सर जिले के चार युवकों का 19 फरवरी के बाद से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। युवकों के अचानक संपर्क टूटने से उनके परिवारों में बेचैनी और चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। परिजन आशंका जता रहे हैं कि कंबोडिया में उनसे जबरन साइबर ठगी का काम कराया जा रहा है और विरोध करने पर उन्हें बंद कर दिया गया है। डुमरांव अनुमंडल के कोरान सराय थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव निवासी सुखदेव सिंह के पुत्र गोविंद सिंह सहित चार युवक रोजगार के झांसे में 3 जनवरी 2026 को कंबोडिया गए थे। उनके साथ कड़सर गांव के विनोद कुमार चौधरी तथा भोजपुर जिले के अमरजीत कुमार और मनीष कुमार भी विदेश गए थे। परिजनों के अनुसार, वहां पहुंचने के कुछ दिन बाद युवकों ने बताया था कि उनसे ऑनलाइन ठगी से जुड़े काम करने का दबाव बनाया जा रहा है। बताया जाता है कि युवकों ने जब इस तरह के अवैध काम से इनकार किया तो उनके पासपोर्ट और अन्य जरूरी कागजात जब्त कर लिए गए। इसके बाद उन्हें एक जगह बंद कर दिया गया। परिवार वालों के मुताबिक 19 फरवरी को आखिरी बार फोन पर बातचीत हुई थी, जिसमें युवकों ने अपनी परेशानी बताई थी। इसके बाद से उनका मोबाइल बंद आ रहा है और अब तक कोई संपर्क नहीं हो पाया है। इधर संपर्क टूटने के बाद से गोविंद सिंह के घर का माहौल पूरी तरह बदल गया है। मां विमला देवी और पत्नी निभा कुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के अन्य सदस्य भी लगातार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के पास जाकर मदद की गुहार लगा रहे हैं।

गोविंद के भाई अखिलेश कुमार ने बताया कि युवकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए परिवार के लोग लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस सिलसिले में आरा सांसद सुदामा प्रसाद, बक्सर सांसद सुधाकर सिंह, विधायक संतोष निराला, बक्सर जिलाधिकारी तथा दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय को आवेदन देकर मदद की मांग की गई है। परिजनों का कहना है कि अब तक सभी जगहों से सिर्फ आश्वासन मिला है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। ऐसे में परिवार के लोगों की चिंता और बढ़ती जा रही है। परिजन सरकार और प्रशासन से अपील कर रहे हैं कि कंबोडिया में फंसे युवकों को जल्द से जल्द सुरक्षित वापस लाने के लिए ठोस पहल की जाए।

मध्यमा परीक्षा को लेकर बक्सर में सख्ती, परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में धारा 163 लागू

- 16 से 19 मार्च तक दो पालियों में होगी परीक्षा, भीड़ और अव्यवस्था रोकने के लिए दंडाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति

केटी न्यूज/बक्सर

मध्यमा परीक्षा 2026 के स्वच्छ, शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर अविनाश कुमार से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी साहिला और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के संयुक्त आदेश ज्ञापांक 10-0899/गो० दिनांक 9 मार्च के आलोक में परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। मध्यमा परीक्षा 16 मार्च से प्रारंभ होकर 19 मार्च तक दो पालियों में आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिले में तीन परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें उच्च माध्यमिक विद्यालय अहिरौली बक्सर, उच्च माध्यमिक विद्यालय जासो बक्सर तथा +2 उत्क्रमित उच्च विद्यालय कृतपुरा बक्सर शामिल हैं। परीक्षा के दौरान केंद्रों पर भीड़ और संभावित अव्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने सख्त एहतियाती कदम उठाए हैं।

अनुमंडल दंडाधिकारी बक्सर सदर ने अपने निहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए इन सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश 16 मार्च से 19 मार्च तक प्रभावी रहेगा। जारी आदेश के अनुसार परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के भीतर पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एक स्थान पर एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और संबंधित कर्मियों को छोड़कर अन्य सभी पर लागू होगा। परीक्षार्थियों के अभिभावकों और मीडिया कर्मियों को भी इस प्रतिबंध के दायरे में रखा गया है, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की भीड़ या अव्यवस्था न हो सके। इसके अलावा प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति के घातक हथियार या आग्नेयास्त्र लेकर चलने पर भी पूरी तरह रोक रहेगी। यह छूट केवल प्रतिनियुक्त पुलिस बल को दी गई है। साथ ही इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के जुलूस या प्रदर्शन पर भी प्रतिबंध रहेगा। हालांकि धार्मिक कार्यक्रम, शवयात्रा और शादी जैसे आवश्यक सामाजिक कार्यक्रमों को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों के आसपास ध्वनि प्रदूषण पर भी नियंत्रण के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रोक लगा दी है। वहीं प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी प्रकार के धूम्रपान पर भी पूर्णतः निषेध रहेगा। विधि-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने संबंधित थानों को भी विशेष निर्देश दिए हैं। थानाध्यक्ष बक्सर नगर, औद्योगिक और मुफस्सिल को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित तिथियों पर स्वयं पुलिस बल के साथ परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित रहकर व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करेंगे। साथ ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर से भी अनुरोध किया गया है कि परीक्षा अवधि के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, महिला बल तथा पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो सके। प्रशासन का कहना है कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या नियम उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

अपराध नियंत्रण में डुमरांव पुलिस की सक्रियता रंग लाई, एसडीपीओ पोलस्त कुमार को मिला सम्मान

डुमरांव। डुमरांव अनुमंडल में अपराध नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई को लेकर पुलिस की सक्रियता अब जिला स्तर पर भी सराहना का विषय बन गई है। इसी कड़ी में जिले की क्राइम मीटिंग के दौरान बेहतर कार्यशैली और प्रभावी पुलिसिंग के लिए डुमरांव के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) पोलस्त कुमार को सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए उनके नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। दरअसल, हाल के दिनों में डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में कई आपराधिक मामलों में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की है। कई मामलों के त्वरित निष्पादन और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के कारण क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। पुलिस की इसी सक्रियता, समन्वय और तत्परता को देखते हुए जिला पुलिस प्रशासन ने एसडीपीओ को सम्मानित किया। क्राइम मीटिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने कहा कि डुमरांव अनुमंडल पुलिस की कार्यशैली अन्य पुलिस पदाधिकारियों के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण, अपराधियों की गिरफ्तारी तथा मामलों के शीघ्र निष्पादन में पुलिस टीम ने सराहनीय कार्य किया है। टीम के बेहतर समन्वय और सक्रियता के कारण कई मामलों में त्वरित और सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिससे आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। एसपी ने यह भी कहा कि पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को इसी तरह प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए, ताकि जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। उन्होंने डुमरांव अनुमंडल की पुलिस टीम को भी इसी तरह लगातार बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। सम्मान मिलने के बाद एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि अनुमंडल क्षेत्र के सभी थानों की पुलिस टीम की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि थानाध्यक्षों, पुलिस पदाधिकारियों, जवानों और चौकीदारों के बीच बेहतर तालमेल और आपसी सहयोग के कारण ही पुलिस टीम प्रभावी ढंग से काम कर पा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता आम जनता की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना है। आने वाले समय में भी डुमरांव अनुमंडल पुलिस इसी सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करती रहेगी, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रहे और लोगों को सुरक्षित माहौल मिल सके।

बगैर प्राक्कलन का बोर्ड लगाए हो रहा नाली का निर्माण

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद क्षेत्र के डुमरांव शहर के लालाटोली रोड में नाली का निर्माण किया जा रहा है। नाली बनाने का कार्य कौन एजेंसी कर रहा, कितनी प्राक्कलित राशि है और कितने दिन में कार्य पूरा हो जाएगा, इसकी जानकारी के लिये प्राक्कलन बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। बगैर प्राक्कलन बोर्ड लगाए नगर के विभिन्न वार्डों में नाली, गली और सड़क निर्माण का कार्य लगभग एक वर्ष से चल रहा है। पहले विभागीय कार्य के नामों पर सैकड़ों कार्य किये गए जो आज जांच के घेरें में हैं। सभी सड़कों की स्थिति यह है कि बनने के साथ ही टूटने लगे थे। इसकी आवाज लोगों ने स्थानीय अधिकारियों से लेकर मंत्री तक गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने की शिकायत करते हुए इसकी जांच की मांग किया था। उसी मांग के आलोक में स्थानीय विधायक राहुल सिंह ने सड़क बनाने में बरती गई अनियमितता को विधान सभा में भी उठाया है।

शहरों में कचरे पर प्रशासन का सख्त डंडा, 24 घंटे में सफाई नहीं तो कार्रवाई

- रडीएम साहिला का आदेश: वार्ड-वार निगरानी के लिए वरीय अधिकारियों की तैनाती, जियो टैग फोटो से होगी मॉनिटरिंग

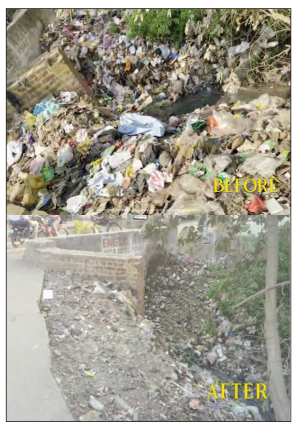

केटी न्यूज/बक्सर

नगर निकाय क्षेत्रों में सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ते कचरे को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। साफ-सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए जिलाधिकारी साहिला ने कड़े निर्देश जारी करते हुए सभी नगर निकायों के वार्डों की निगरानी के लिए वरीय अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दी है। जारी आदेश के अनुसार अब अधिकारी नियमित रूप से वार्डों का भ्रमण करेंगे और जहां भी कचरा या गंदगी दिखाई देगी उसकी जियो टैग फोटो खींचकर संबंधित नगर निकाय के व्हाट्सऐप ग्रुप में साझा करेंगे। फोटो अपलोड होने के बाद संबंधित नगर निकाय को 24 घंटे के भीतर कचरा हटाकर स्थल की साफ-सफाई करानी होगी। यदि तय समय में सफाई नहीं हुई तो संबंधित कार्यपालक पदाधिकारी के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि विभिन्न माध्यमों से लगातार यह सूचना मिल रही थी कि कई नगर निकाय क्षेत्रों में सड़कों के किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से कचरे का उठाव नहीं हो रहा है। इसके कारण कई जगहों पर कचरे का ढेर लग जा रहा है, जिससे प्रदूषण फैलने के साथ ही बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। इसी समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने का निर्णय लिया है।

वार्ड-वार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय

जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में नगर परिषद बक्सर के वार्डों की निगरानी के लिए अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। वार्ड संख्या 1 से 7 तक की निगरानी अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर सदर करेंगे। वार्ड 8 से 14 तक भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह वार्ड 15 से 21 तथा 22 से 28 तक की निगरानी वरीय उप समाहर्ता बक्सर को दी गई है। वार्ड 29 से 35 तक प्रखंड विकास पदाधिकारी बक्सर और वार्ड 36 से 42 तक अंचलाधिकारी बक्सर को साफ-सफाई व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। नगर परिषद डुमरांव में भी इसी प्रकार वार्डों का बंटवारा कर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यहां वार्ड 1 से 7 तक अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव, वार्ड 8 से 14 तक भूमि सुधार उप समाहर्ता डुमरांव, वार्ड 15 से 21 तक कार्यपालक दंडाधिकारी डुमरांव को निगरानी का दायित्व दिया गया है। इसके अलावा वार्ड 22 से 28 तक प्रखंड विकास पदाधिकारी डुमरांव और वार्ड 29 से 35 तक अंचलाधिकारी-सह-राजस्व पदाधिकारी डुमरांव को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नगर पंचायतों में भी सख्त निगरानी

नगर पंचायत चौसा में वार्ड 1 से 7 तक की निगरानी प्रखंड विकास पदाधिकारी चौसा करेंगे, जबकि वार्ड 8 से 14 तक अंचलाधिकारी चौसा को जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार नगर पंचायत इटाढ़ी में वार्ड 1 से 6 तक प्रखंड विकास पदाधिकारी इटाढ़ी तथा वार्ड 7 से 11 तक अंचलाधिकारी इटाढ़ी को साफ-सफाई व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। नगर पंचायत ब्रह्मपुर में भी वार्ड-वार निगरानी की व्यवस्था की गई है। यहां वार्ड 1 से 7 तक प्रखंड विकास पदाधिकारी ब्रह्मपुर और वार्ड 8 से 13 तक अंचलाधिकारी ब्रह्मपुर निगरानी करेंगे।

जियो टैग फोटो से होगी मॉनिटरिंग

जिलाधिकारी ने सभी नामित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे नियमित अंतराल पर अपने-अपने वार्डों का भ्रमण कर साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करें। यदि कहीं कचरा या गंदगी दिखाई देती है तो उसकी जियो टैग फोटो तुरंत नगर निकाय के व्हाट्सऐप ग्रुप में डालनी होगी, ताकि स्थिति का त्वरित संज्ञान लिया जा सके। फोटो अपलोड होने के बाद संबंधित नगर परिषद या नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी को 24 घंटे के भीतर कचरा उठवाकर उस स्थान की सफाई सुनिश्चित करनी होगी। इसके बाद साफ किए गए स्थल की फोटो भी ग्रुप में साझा करनी होगी, जिससे कार्रवाई की पुष्टि हो सके।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई

जिलाधिकारी ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि यदि किसी स्थान से कचरा हटाने में लापरवाही बरती गई या तय समय सीमा में सफाई नहीं कराई गई तो संबंधित नगर परिषद या नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन का मानना है कि इस व्यवस्था के लागू होने से नगर निकाय क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार आएगा और शहरों को कचरा मुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाया जा सकेगा।

केसठ में वार्षिक परीक्षा शुरू 3424 छात्र-छात्राएं हुए शामिल

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में बिहार शिक्षा परियोजना की देखरेख में गुरुवार से वार्षिक परीक्षा शुरू हो गई। यह परीक्षा 19 मार्च तक आयोजित की जाएगी। इसमें कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राएं शामिल हो रहे हैं।परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहले दिन गुरुवार को पहली पाली में कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा हुई, जबकि दूसरी पाली में कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों की हिंदी विषय की मौखिक परीक्षा ली गई।परीक्षा के सुचारू संचालन को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजेश राम लगातार विद्यालयों से परीक्षा संचालन की जानकारी लेते रहे।उन्होंने बताया कि प्रखंड के 27 प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में कुल 3,630 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। इनमें से गुरुवार को कक्षा 1 से 8 तक के 3,424 छात्र-छात्राएं वार्षिक परीक्षा में शामिल हुए। वहीं परीक्षा के वीक्षण कार्य के लिए 104 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है।

माले पंचायत सम्मेलन में संगठन विस्तार पर जोर, कार्यकर्ताओं को दिया संघर्ष का आह्वान

- पूर्व विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह बोले—गरीब, मजदूर और किसानों के मुद्दों को लेकर आंदोलन होगा तेज

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड क्षेत्र के मठिला गांव में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) का पंचायत स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में पार्टी संगठन को मजबूत करने, गांव-गांव में जनसंपर्क बढ़ाने और गरीबों, मजदूरों तथा किसानों के मुद्दों को लेकर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में डुमरांव के पूर्व विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में देश की राजनीति कई चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और संविधान की रक्षा के लिए जनसंगठनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर संगठित संघर्ष ही समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

उन्होंने कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा कि पार्टी के सिद्धांतों और जनहित के मुद्दों को लेकर गांव-गांव तक पहुंच बनानी होगी। गरीबों, मजदूरों और वंचित वर्गों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके अधिकारों के लिए निरंतर आवाज बुलंद करनी होगी। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही किसी भी राजनीतिक आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत होती है।

सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने किसानों की समस्याओं, महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर जनआंदोलन को तेज किया जाएगा और आम लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने कार्यकताओं को आगामी दिनों में गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद स्थापित करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी। साथ ही पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने और नए लोगों को जोड़ने पर भी विशेष बल दिया गया। सम्मेलन के अंत में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने आने वाले दिनों की राजनीतिक गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर रणनीति पर चर्चा की। इस मौके पर पार्टी के कई स्थानीय नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डुमरांव की जनसमस्याओं को लेकर जदयू नेता रवि उज्वल कुशवाहा ने सांसद संजय झा से की मुलाकात

- बाईपास निर्माण, जर्जर सड़कों और जलापूर्ति की तकनीकी खामियों का मुद्दा उठाया, सांसद ने जल्द समाधान का दिया भरोसा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर जदयू के पूर्व विधानसभा प्रभारी रवि उज्वल कुशवाहा ने दिल्ली पहुंचकर जदयू के राज्यसभा सांसद संजय झा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने डुमरांव शहर और आसपास के इलाकों से जुड़ी लंबे समय से लंबित समस्याओं को विस्तार से रखते हुए उनके समाधान की मांग की। मुलाकात के दौरान रवि उज्वल कुशवाहा ने विशेष रूप से डुमरांव बाईपास के निर्माण, शहर की मुख्य सड़कों की जर्जर स्थिति तथा पीएचईडी द्वारा संचालित जलापूर्ति व्यवस्था में व्याप्त तकनीकी खामियों की ओर सांसद का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के कारण स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के जीवन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सांसद को बताया कि डुमरांव बाईपास का निर्माण लंबे समय से प्रस्तावित है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो पाई है। बाईपास नहीं बनने के कारण शहर के अंदर से भारी वाहनों का आवागमन जारी है, जिससे यातायात का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके चलते अक्सर शहर में जाम की स्थिति बन जाती है और आम लोगों को घंटों फंसे रहना पड़ता है। इसके अलावा उन्होंने शहर की मुख्य सड़कों की बदहाल स्थिति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि डुमरांव की कई प्रमुख सड़कें काफी जर्जर हो चुकी हैं, जिन पर चलना लोगों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। गड्ढों से भरी इन सड़कों के कारण वाहन चालकों, व्यापारियों और आम नागरिकों को आए दिन परेशानी झेलनी पड़ रही है। बरसात के दिनों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है। रवि उज्वल कुशवाहा ने पीएचईडी की जलापूर्ति व्यवस्था में आ रही तकनीकी दिक्कतों का भी जिक्र करते हुए कहा कि शहर के कई वार्डों में लोगों को नियमित और पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा है। पाइपलाइन और अन्य तकनीकी खामियों के कारण जलापूर्ति बाधित हो रही है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने आग्रह किया कि इस समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए जाएं। सांसद संजय झा ने जदयू नेता की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि डुमरांव क्षेत्र से जुड़े इन जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों और अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की सुविधाओं से जुड़े मामलों को लेकर वे लगातार प्रयासरत हैं। सांसद ने भरोसा दिलाया कि डुमरांव की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल की जाएगी, ताकि स्थानीय लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

थाना परिसर में सजी इफ्तार की महफिल, रोजेदारों के साथ पुलिस ने दिया भाईचारे का पैगाम

एजेंसी। डुमरांव

पवित्र रमजान माह के अवसर पर डुमरांव अनुमंडल के नया भोजपुर थाना परिसर में गुरुवार की शाम सामूहिक रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रोजेदारों के साथ स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन ने एक साथ बैठकर रोजा खोला और सामाजिक सौहार्द तथा भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों के लोगों की भागीदारी ने गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी झलक पेश की। इफ्तार के समय थाना परिसर का माहौल पूरी तरह सौहार्द और अपनत्व से भरा नजर आया। रोजेदारों ने दुआ के साथ रोजा खोला, वहीं उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में आपसी विश्वास को मजबूत करते हैं और विभिन्न समुदायों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने कहा कि रमजान का पवित्र महीना संयम, त्याग और भाईचारे का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में एकता का संदेश जाता है और पुलिस तथा आम लोगों के बीच आपसी तालमेल भी मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस और जनता का सहयोग बेहद जरूरी है। स्थानीय लोगों ने भी थाना परिसर में आयोजित इस पहल की सराहना की। उनका कहना था कि जब प्रशासन और आम लोग एक मंच पर आकर इस तरह के आयोजन करते हैं तो इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और सामाजिक समरसता को नई मजबूती मिलती है। इफ्तार कार्यक्रम में पुराना भोजपुर के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि इस्लाम अंसारी, हाजी इकबाल, अनिल यादव, आयूब अंसारी, जितेंद्र कुमार, छोटेलाल, अमृत लाल, श्रीराम ठाकुर, मो. शाहिद और दिलीप कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खगड़िया को सीएम नीतीश की बड़ी सौगात, 304 करोड़ की 319 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

एजेंसी/ पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के दौरान खगड़िया जिले को 304 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। नगर परिषद क्षेत्र के संसारपुर मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कुल 319 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें 261 करोड़ रुपये की लागत से 284 योजनाओं का उद्घाटन किया गया, जबकि 43 करोड़ रुपये की लागत से 35 नई योजनाओं की आधारशिला रखी गई।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अरुण मध्य विद्यालय के पास नगर सुरक्षा बांध के उच्चीकरण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों से इसकी प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने प्रगति यात्रा के दौरान घोषित योजनाओं पर भी फीडबैक लिया। इन योजनाओं में राजेंद्र चौक से बखरी बस स्टैंड तक रेलवे क्रॉसिंग पथ का निर्माण, अलौली में बागमती नदी पर आरसीसी पुल, महेशखूंट-गोगरी पथ का बाईपास, बेलदौर में आउटडोर स्टेडियम, मेडिकल कॉलेज, एंटी फ्लड स्लूइस गेट तथा बूढ़ी गंडक नदी पर पुल जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी विकास कार्य तय समय सीमा के भीतर और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, समय और ईंधन की बचत होगी तथा लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के लिए भी कहा गया, ताकि जिले के समग्र विकास को गति मिल सके।दसंसारपुर मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के स्टॉल का भी निरीक्षण किया। सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत 1245 परिवारों को 4.98 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया गया। इसके अलावा अभियान बसेरा के अंतर्गत भूमि बंदोबस्ती प्रमाण पत्र वितरित किए गए। दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल दी गई तथा श्रमिक कल्याण योजना और कस्टम हायरिंग सेंटर की चाबियां भी लाभुकों को सौंपी गईं। कार्यक्रम में जीविका समूह से जुड़ी महिलाओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी महिला सशक्तिकरण और जीविका दीदियों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं का बिहार के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है और रोजगार से जुड़ी योजनाओं से उन्हें लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि आगे भी जरूरतों के अनुसार योजनाओं को मजबूत किया जाएगा। समृद्धि यात्रा के दौरान घोषित योजनाओं में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। बागमती नदी पर गढ़ घाट पुल बनने से आवागमन सुगम होगा। गोगरी-फतेहपुर बाईपास बनने से ट्रैफिक जाम की समस्या कम होने की उम्मीद है।

पांच वर्ष पूर्व मायके वालो की मजी के खिलाफ ब्रह्मपुर के युवक से की थी शादी

ब्रह्मपुर में 23 वर्षीय विवाहिता ने गोली मार की आत्महत्या का प्रयास, आरा में चल रहा है इलाज

- **मायके वालो की नाराजगी से डिप्रेशन में चल रही थी विवाहिता**

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर में एक 23 वर्षीय विवाहिता ने खुद को गोली मार आत्महत्या का प्रयास किया है। गोली लगने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई, इसकी जानकारी मिलते ही उसके पति तथा देवर सहित परिवार के लोग आनन फानन में इलाज के लिए उसे आरा लेकर गए, जहां एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। जख्मी की पहचान ब्रह्मपुर नगर पंचायत के वार्ड 14 अंतर्गत कांट गांव निवासी प्रवीण कुमार सिंह की पत्नी आंचल सिंह के रूप में की गई है।

आंचल के पति प्रवीण स्थानीय जेके सीमेंट फैक्ट्री में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है।

आरा में इलाज के दौरान मीडिया से बातचीत में आंचल ने बताया कि उसने 4 अक्टूबर 2021 को अपने घर वालों की मर्जी के खिलाफ प्रवीण से लव मैरिज की थी। इस शादी से उसके मायके वाले नाराज थे तथा आंचल को कभी अपने को तैयार नहीं थे जिस कारण पिछले 2 वर्ष से वह डिप्रेशन में चल रही थी। आंचल की माने तो आज (शुक्रवार) को भी अपने मायके वालों को मनाने गई थी लेकिन माता-पिता ने उसे घर में प्रवेश नहीं करने दिया। वहां से लौटने के बाद आंचल ने घर में रखे देसी कट्टे से खुद पर फायर कर लिया। इसकी जानकारी मिलते ही प्रवीण अपनी ड्यूटी छोड़ घर पहुंचा तथा परिजनों के साथ उसे लेकर इलाज के लिए आरा चला गया।

इस घटना के बाद कई तरह की चचाएं हो रही है। इन चचाओं के बीच सबसे बड़ा सवाल यह बना हुआ है कि आंचल को देसी कट्टा कहां से मिला। हालांकि मीडिया को दिए अपने वीडियो बयान में आंचल ने बताया कि उसे एक लड़के ने कट्टा दिया था, लेकिन उसका तर्क अभी किसी के गले नहीं उतर रहा है। बहरहाल मामले की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मामले की जांच तथा जख्मी का बयान लेने के प्रयास में जुट गई है।

थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जख्मी महिला का बयान लेने के लिए पुलिस टीम आरा के निजी अस्पताल जा रही है। उन्होंने कहा कि महिला का बयान लेने के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकता है।

बिजली चोरी में दो मील संचालक सहित 12 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

बिजली चोरी की बंद एवं बिलिंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज द्वारा लगातार विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विभागीय एसटीएफ के अधिकारियों एवं कनीय विद्युत अभियंताओं की टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सघन छापेमारी की गई। जांच के दौरान कुछ उपभोक्ताओं को मीटर बाईपास कर तथा अवैध तरीके से बिजली उपयोग करते हुए पकड़ा गया। अभियान के दौरान संझौली प्रखंड के चवरियां निवासी एवं मील संचालक संतोष कुमार पिता-बंगाली सिंह पर 224222 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। वहीं दिनारा प्रखंड के लहेरी गांव में राजा राम सिंह पर 15840, नजमा बेगम पर 10738, सुमन कुमार गुप्ता पर 16124 रुपए चंद्रभूषण सिंह पर 52082 रुपए तथा बिक्रमा सिंह पर 16124 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। इसके अतिरिक्त सूर्यपुरा प्रखंड के कैलानी गांव में कुछ उपभोक्ताओं का कनेक्शन बकाया राशि के कारण पूर्व में काट दिया गया था। लेकिन बिना बकाया राशि एवं री-कनेक्शन शुल्क जमा किए अवैध रूप से बिजली उपयोग करते हुए पाए गए। इस मामले में विद्यानंद पाण्डेय पर 40108 रुपए, गोविन्द पाण्डेय पर 3439 रुपए, बबन पाण्डेय पर 40177 रुपए, मुरलीधर पाण्डेय पर 25622 रुपए,बालाजी पाण्डेय पर 47608 रुपए तथा मनोज कुमार पर 48273 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। इसके अलावा बालकिशोर सिंह को मीटर बाईपास के मामले में 41041 का जुमार्ना किया गया। वहीं चवरियां गांव के ही मील संचालक रवि कुमार पिता-रविंद्र सिंह पर बिना वैध विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से बिजली उपयोग करने के आरोप में 178681रुपए का जुमार्ना लगाया गया। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज ने बताया कि गठित टीम द्वारा मौके पर ही अवैध कनेक्शन हटाते हुए संबंधित उपभोक्ताओं के विरुद्ध विद्युत अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई तथा विभागीय नियमानुसार जुमार्ना निर्धारित किया गया। विभाग ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभाग द्वारा आगे भी लगातार छापेमारी अभियान चलाया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करें तथा समय पर अपने बिजली बिल का भुगतान करें, ताकि निर्बाध एवं बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस जांच अभियान में एसटीएफ के अधीक्षण अभियंता नवीन कुमार, सहायक अभियंता (राजस्व) समरजीत कुमार सहित अन्य विभागीय कर्मी भी उपस्थित थे।

चैत नवरात्र पूजन के तैयारियों में जुटे श्रद्धालु

बिक्रमगंज। चैत नवरात्रि को लेकर बिक्रमगंज अनुमंडल मुख्यालय सहित सभी प्रखंडों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धालुओं के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है । मां दुर्गा के आगमन को लेकर लोग अपने-अपने घरों में तैयारियों में जुट गए हैं । नवरात्रि को लेकर घरों की साफ-सफाई,पूजा स्थलों को व्यवस्थित करने और सजाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। श्रद्धालु अपने घरों के मंदिर और पूजा स्थलों की विशेष रूप से सफाई कर रहे हैं। घरों में पूजा स्थान को व्यवस्थित करने के साथ ही कलश स्थापना के लिए भी विशेष जगह तैयार की जा रही है। जहां लोग मां दुर्गा के मंदिरों को सजाने में लगे है लोग। नवरात्रि को लेकर खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

गैस एजेंसियों का एसडीएम ने किया निरीक्षण, अफवाहों से बचें लोग

केटी न्यूज/रोहतास

स्थानीय प्रशासन द्वारा उपभोक्ताओं की समस्याओं की शिकायतों को देखते हुए जगदीशपुर गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अधिकारियों ने गैस एजेंसी के गोदामों में जाकर उपलब्ध स्टॉक की जायजा लिया. एसडीओ ने गैस वितरकों को सख्त निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने और होम डिलीवरी को सुचारू रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

अफवाहों पर भरी बातों से बचें लोगः निरीक्षण के बाद अनुमंडल पदाधिकारी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र में गैस की किल्लत को लेकर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसी भी तरह की घबराहट की जरूरत नहीं है। नियम के अनुसार, एक सिलेंडर लेने के 25 दिन बाद ही दूसरा सिलेंडर मिल सकेगा। व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए यह नियम प्रभावी है। साथ इसमें संलिप्त कालाबाजारी करने वालें लोगों पर होगी कार्रवाई। प्रशासन ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई भी एजेंसी संचालक गैस की कालाबाजारी या निर्धारित मूल्य से अधिक की वसूली करते पाया गया, तो उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम के नेतृत्व में अग्निशमन द्वारा मॉकड्रिल कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार सरकार द्वारा अग्नि आपदा से बचाव को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को बिक्रमगंज अनुमंडल कार्यालय परिसर में अग्निशमन विभाग की ओर से मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार ने की। इस दौरान अग्निशमन विभाग के अधिकारियों व कर्मियों ने आग लगने की स्थिति में बचाव और नियंत्रण के तरीकों का जीवंत प्रदर्शन कर लोगों को जागरूक किया। मॉकड्रिल के दौरान अग्निशमन टीम ने काल्पनिक आगजनी की स्थिति उत्पन्न कर यह दिखाया कि आग लगने पर किस तरह त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे फैलने से रोका जाता है। साथ ही आग बुझाने वाले उपकरणों के सही उपयोग, लोगों को सुरक्षित स्थान तक निकालने की प्रक्रिया तथा आपदा के समय संयम बनाए रखने के तरीकों की भी जानकारी दी गई। जिस ड्रिल को देखने के लिए अनुमंडल कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे। अवसर पर एसडीएम प्रभात कुमार ने कहा कि अग्नि दुर्घटनाएं अक्सर छोटी-छोटी लापरवाहियों के कारण बड़ी आपदा का रूप ले लेती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मॉक ड्रिल का उद्देश्य लोगों में जागरूकता पैदा करना और आपात स्थिति में सही तरीके से कार्रवाई करना सिखाना है। उन्होंने सभी कार्यालयों,संस्थानों तथा आम नागरिकों से अपील की कि वे अग्नि सुरक्षा के नियमों का पालन करें और किसी भी आपदा की स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ से काम लें। उन्होंने कहा कि समय पर सही कदम उठाकर बड़े नुकसान को रोका जा सकता है । वहीं अनुमंडलीय अग्निशमन अधिकारी अवध कुमार दास ने कहा कि गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं, इसलिए इस समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल के माध्यम से लोगों को यह सिखाया जाता है कि आग लगने पर सबसे पहले क्या करना चाहिए, किस प्रकार अग्निशमन यंत्र का प्रयोग किया जाता है और किस तरह कम समय में आग पर काबू पाया जा सकता है । उन्होंने लोगों से अपील की कि बिजली के उपकरणों का सुरक्षित उपयोग करें,गैस सिलेंडर व ज्वलनशील पदार्थो के प्रति सावधानी बरतें तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दें। मौके पर भूमि सुधार उपसमाहर्ता संतोष कुमार,अजय कुमार सिंह,राजीव कुमार, कृष्णा कुमार,सुधीर कुमार,जितेंद्र कुमार, संतोष कुमार देव,चंद्रदेव कुमार, संजय कुमार, प्रियंका कुमारी, आशालता कुमारी, निधि कुमारी सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

एक नजर

पुलिस ने वारंटी को भेजा जेल

काराकाट । काराकाट पुलिस ने थाना क्षेत्र अंतर्गत नान्हों गांव निवासी लल्लू राम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से एनबीडब्ल्यू वारंट निर्गत था। जिसे गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया।

बाइक चोरी में एक अभियुक्त को जेल

बिक्रमगंज । नटवार पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि स्थानीय थाना में पूर्व से दर्ज कांड संख्या 161/25 के तहत राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुसुम्हरा निवासी मुन्ना पासवान को अकोढ़ी गोला से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उक्त मामले में पुलिस ने पूर्व में ही चोरी किए गए बाइक को बरामद कर ली थी।

पीरो : ट्रेन से कटकर महिला की मौत परिवार में पसरा मातम

पीरो। जिला क्षेत्र के आरा-सासाराम रेलखंड पीरो रेलवे-स्टेशन के समीप ट्रेन से कट एक 45 वर्षीय महिला की हुई मौत। मृतिका की पहचान मालती देवी हसनबाजार थाना अंतर्गत कचनथ गांव निवासी प्रभु यादव की पत्नी बतायी जा रही है। घटना शुक्रवार की सुबह की है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पीरो थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया है। संबंध में मृतका के स्वजनों ने बताया कि वे इलाज के लिए आरा जाने के क्रम में पीरो स्टेशन पहुंची थी। इस दौरान 63370 डाउन सासाराम-आरा पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से जख्मी हो गई जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतका के परिवार में कोहराम मचा है। मृतका मालती

वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति से पहले लक्ष्य पूरा करने पर जोर, बिजली चोरी और परिवहन नियम उल्लंघन पर सख्ती के निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में आंतरिक संसाधन, नीलाम पत्र एवं राजस्व समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की राजस्व वसूली की समीक्षा की गई तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 के समाप्ति से पूर्व निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। समीक्षा के दौरान कार्यपालक अभियंता सोन नहर प्रमंडल आरा बैठक में अनुपस्थित पाए गए, जिसके कारण उनके विभाग की समीक्षा नहीं हो सकी। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित कार्यपालक अभियंता का एक दिन का वेतन स्थगित करने तथा स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। इसके अलावा आंतरिक संसाधन की बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अन्य पदाधिकारियों का भी एक दिन का वेतन स्थगित करते हुए उनसे जवाब तलब करने का आदेश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 अब समाप्ति की ओर है, ऐसे में सभी विभाग राजस्व वसूली में तेजी लाते हुए अपने-अपने लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कार्यपालक अभियंता सोन नहर प्रमंडल बक्सर और आरा को निर्देश दिया कि बड़े बकायेदारों को नोटिस जारी किया जाए तथा जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर लोगों को जागरूक करते हुए राजस्व वसूली में तेजी लाई जाए। साथ ही इस दिशा में की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन अगले सोमवार तक समर्पित करने को कहा गया। नगर पंचायत इटाढ़ी, चौसा एवं ब्रह्मपुर को भी कार्ययोजना बनाकर राजस्व वसूली तेज करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जो लोग विभागीय प्रावधानों के बावजूद राजस्व का भुगतान नहीं करेंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला खनन पदाधिकारी को खनन से संबंधित राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। वहीं कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बक्सर को विशेष कैंप लगाकर व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अवैध रूप से बिजली उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा जिला परिवहन पदाधिकारी को मोटर यान निरीक्षक, नगर परिषद और यातायात उपाधीक्षक के साथ संयुक्त टीम गठित कर परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित कराने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर दंड अधिरोपित कर राजस्व वसूली बढ़ाने का निर्देश दिया गया।

रोहतास : जमुहार के नारायण सिंह यूनिवर्सिटी में हॉस्टल छात्रा ने फांसी लगा की हत्या

- **सगाई के बाद लॉ छात्रा ने हॉस्टल में सुसाइड नोट लिख की आत्महत्या**
- **रोहतास प्रशासन घटना मामलें में त्वरित कार्रवाई के छानबीन में जुटी**

केटी न्यूज/रोहतस

जिला मुख्यालय सासाराम से सटे जमुहार स्थित गोपाल नारायण सिंह यूनिवर्सिटी परिसर में स्थित नारायण लॉ कॉलेज के हॉस्टल में एक छात्रा का आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। छात्रा ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना के बाद पूरे विश्वविद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। मृतका छात्रा की पहचान प्रियंका सिंह के रूप में हुई है,जो कैमूर जिले के चांद थाना क्षेत्र के बैरी गांव की रहने वाली थी। बताया जाता है कि बीते 25 फरवरी को ही उसकी सगाई शिवसागर थाना क्षेत्र के नींव गांव के रहने वाले एक युवक से हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही रोहतास के पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। इस दौरान फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने छात्रा के कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है,जिसमें परिजनों के दबाव में शादी की बात लिखी गई है। उक्त पत्र को पुलिस ने जब्त कर लिया है। दूसरी तरफ पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है,जहां मेडिकल टीम गठित कर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इस संबंध में रोहतास एसपी रौशन कुमार ने बताया कि सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग एक्सपर्ट से जांच कराई जाएगी। साथ ही जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के कारणों को लेकर स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी,फिलहाल रोहतास पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुट घटना की वास्तविक स्थिति खंगालने में लगी है।

प्राथमिक स्कूलों में छठन्रॄकी कमी का असर, मिड-डे मील प्रभावित होने की आशंका

एजेंसी। भागलपुर

मध्य पूर्व में युद्ध के कारण पेट्रोलियम संकट की आशंका के बीच बिहार में मध्याह्न भोजन योजना प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। निदेशालय ने तेल कंपनियों से स्कूलों को प्राथमिकता के आधार पर एलपीजी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। भागलपुर जिले के 1254 प्रारंभिक विद्यालयों में संचालित मध्याह्न भोजन योजना पर गैस संकट का खतरा मंडराने लगा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार अधिकांश स्कूलों में एलपीजी सिलिंडर का स्टॉक केवल दो से तीन दिनों के लिए ही बचा हुआ है। यदि जल्द कमर्शियल सिलिंडर की आपूर्ति नहीं हुई तो स्कूलों में मिड-

डे मील का संचालन बाधित हो सकता है। इससे जिले के दो लाख से अधिक बच्चों के भोजन पर सीधा असर पड़ने की आशंका है। जिले में कुल करीब 1756 प्रारंभिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना चल रही है। इनमें से 502 विद्यालयों में एनजीओ के माध्यम से भोजन उपलब्ध कराया जाता है, जबकि शेष स्कूलों में रसोइयों द्वारा एलपीजी गैस पर भोजन पकाया जाता है। इन स्कूलों में गैस की कमी होने पर मिड-डे मील व्यवस्था प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। जिला शिक्षा विभाग के अनुसार अभी तक किसी भी विद्यालय से गैस की कमी को लेकर लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि कुछ स्कूलों ने मौखिक रूप से सिलिंडर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। इस संबंध में डीपीओ (मध्याह्न भोजन) बबीता कुमारी ने बताया कि कुछ विद्यालयों से सिलिंडर उपलब्ध कराने की मांग की जानकारी मिली है, लेकिन अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं आई है। उन्होंने बताया कि सभी स्कूलों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही गैस उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभाग को पत्र भेजने की तैयारी की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों की संभावित कमी को देखते हुए बिहार में मध्याह्न भोजन योजना प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। इसको लेकर मध्याह्न भोजन योजना निदेशालय को राज्य के कई जिलों से गैस आपूर्ति को लेकर शिकायतें प्राप्त हुई हैं। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए निदेशालय ने इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम के अधिकारियों को पत्र भेजा है। पत्र में विद्यालयों को प्राथमिकता के आधार पर एलपीजी गैस सिलिंडर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है, ताकि स्कूलों में मिड-डे मील का संचालन बाधित न हो और बच्चों को समय पर भोजन मिल सके।

लेटर भेजने की तैयारी

इस संबंध में डीपीओ (मध्याह्न भोजन) बबीता कुमारी ने बताया कि कुछ विद्यालयों से सिलिंडर उपलब्ध कराने का अनुरोध मिला है, हालांकि लिखित शिकायत अभी नहीं आई है। सभी स्कूलों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही गैस उपलब्ध कराने को लेकर पत्र भेजने की तैयारी की जा रही है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का बड़ा एलान : सूबे के 18 लाख महिलाओं के खाते में जल्द ही जाने वाला है पैसा

एजेंसी। पटना

बिहार में चल रही समृद्धि यात्रा के दौरान राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है और इसी कड़ी में जल्द ही योजना की अगली किस्त जारी की जाएगी। डिप्टी सीएम ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत अब तक 1 करोड़ 81 लाख महिलाओं के खाते में आर्थिक सहायता भेजी जा चुकी है और आने वाले समय में भी इसका दायरा और बढ़ाया जाएगा।सम्राट चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की अगली किस्त जल्द जारी की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगले एक महीने के भीतर लगभग 18 लाख महिलाओं के बैंक खाते में 10-10 हजार रुपये की राशि भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य सिर्फ सहायता देना नहीं है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है ताकि वे अपने स्तर पर छोटे-मोटे व्यवसाय या रोजगार शुरू कर सकें। इस योजना से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाओं को फायदा मिल रहा है।डिप्टी सीएम के अनुसार, राज्य सरकार ने पहले ही बड़ी संख्या में महिलाओं को इस योजना का लाभ दिया है और आने वाले समय में पात्र महिलाओं को भी इसमें शामिल किया जाएगा। इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और परिवार की आय में भी वृद्धि होगी। सम्राट चौधरी ने अपने बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच काफी दूरदर्शी है। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ मुफ्त की योजनाओं पर निर्भर नहीं रहना चाहती बल्कि लोगों को रोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि कई बार यह सवाल उठता है कि सरकारें मुफ्त योजनाएं क्यों चलाती हैं, लेकिन बिहार सरकार का उद्देश्य अलग है। सरकार महिलाओं को सीधे आर्थिक मदद देकर उन्हें रोजगार शुरू करने के लिए प्रेरित कर रही है। सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि देश में इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट ने भी टिप्पणी की है कि सरकारें लोगों को पूरी तरह मुफ्त सुविधाओं पर निर्भर नहीं बना सकतीं, बल्कि उन्हें रोजगार के अवसरों की ओर प्रेरित करना चाहिए। ऐसे में बिहार सरकार की यह योजना उसी सोच के

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

डिप्टी सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। बिहार में बड़ी संख्या में महिलाएं इस योजना की मदद से छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण को लेकर लगातार काम कर रही है। स्वयं सहायता समूह, कौशल विकास कार्यक्रम और आर्थिक सहायता योजनाओं के जरिए महिलाओं को आगे बढ़ने का मौका दिया जा रहा है।सम्राट चौधरी ने कहा कि आने वाले समय में सरकार और भी योजनाएं लेकर आएगी ताकि राज्य की महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अधिक अवसर मिल सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना से लाखों परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी।

एक नजर

बिहार में 10वीं की छात्रा की संदिग्ध मौत, कुएं से मिला शव, परिजनों ने गैंगरेप और हत्या का लगाया आरोप

पटना। बिहार के सारण जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां डेरनी थाना क्षेत्र के एक गांव में दसवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा का शव कुएं से बरामद हुआ है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।परिजनों ने आरोप लगाया है कि पांच युवकों ने मिलकर छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी और शव को कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चार अन्य आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को गांव के एक कुएं में छात्रा का शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डेरनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को छपरा से गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ की जा रही है ताकि घटना की सच्चाई सामने आ सके। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष जांच टीम (रक्ळ) का गठन किया है। साथ ही एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से कई अहम नमूने इकट्ठा किए। सोनपुर अनुमंडल के वरीय पुलिस पदाधिकारी ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की और अधिकारियों को जल्द से जल्द सच्चाई सामने लाने के निर्देश दिए। मृत छात्रा की मां ने इस मामले में अपने ही गांव के पांच युवकों के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इन लोगों ने उनकी बेटी के साथ गलत काम करने के बाद उसकी हत्या कर दी।परिजनों का कहना है कि एक आरोपी पहले भी घर में घुसकर छात्रा के साथ गलत हरकत करने की कोशिश कर चुका था। उस समय विरोध करने पर उसने परिवार को धमकी भी दी थी।

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

पटना। बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गई हैं। इस मामले पर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि आज सुबह 11 बजकर 11 मिनट पर ई-मेल के जरिए धमकी मिली, जिसके बाद तुरंत उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई और जांच शुरू कर दी गई। प्रेम कुमार ने कहा कि जैसे ही धमकी की सूचना मिली, विधानसभा परिसर की व्यापक जांच शुरू कर दी गई। बाहरी परिसर से लेकर विधानसभा भवन के अंदर हर कमरे और हर हिस्से की बारीकी से तलाशी ली जा रही है। इस दौरान बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और स्कैनिंग टीम को भी लगाया गया है, ताकि किसी भी तरह के खतरे को तुरंत खत्म किया जा सके। उन्होंने बताया कि फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां लगातार जांच में जुटी हुई हैं और पूरे परिसर की निगरानी की जा रही है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके। विधानसभा अध्यक्ष ने साफ कहा कि जो भी इस धमकी के पीछे जिम्मेदार होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले भी इस तरह के मामले सामने आए हैं, लेकिन इस बार विधानसभा को ई-मेल के जरिए उड़ाने की धमकी मिली है, जो बेहद गंभीर मामला है।

बिहार में एकसाथ 100 से अधिक जवानों की तबीयत बिगड़ी, पुलिस लाइन में मचा हड़कंप

एजेंसी। भागलपुर

बांका पुलिस लाइन में दोपहर के भोजन के बाद 100 से अधिक जवान फूड प्वाइजनिंग से बीमार हो गए। जवानों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है और प्रशासन एवं पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिहार के बांका जिले में पुलिस लाइन के अंदर फूड प्वाइजनिंग की गंभीर घटना सामने आई है। दोपहर का भोजन करने के बाद लगभग 100 से अधिक पुलिस जवान अचानक बीमार पड़ गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम लगातार उनका उपचार कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, जवानों को अचानक उल्टी और दस्त की शिकायत हुई, और देखते ही देखते बीमार होने वालों की संख्या बढ़ गई। स्थिति को गंभीर देखते हुए सभी प्रभावित जवानों को तत्काल अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया गया। जिला प्रशासन भी तुरंत हरकत में आया। बांका के जिलाधिकारी नवदीप शुक्ला और पुलिस अधीक्षक उपेन्द्रनाथ वर्मा अस्पताल पहुंचे, बीमार जवानों से मुलाकात की और डॉक्टरों से इलाज की

जानकारी ली। दोनों अधिकारियों ने घटना की पूरी जांच के निर्देश भी दिए। जानकारी के अनुसार, पुलिस लाइन के जवानों ने दोपहर के भोजन में फ्राई राइस और चना का छोला खाया था। भोजन के कुछ समय बाद कई जवानों को उल्टी और दस्त की शिकायत हुई। मेडिकल टीम को तुरंत बुलाया गया और जवानों का इलाज शुरू कर दिया गया। जांच के दौरान आशंका जताई जा रही है कि चना में किसी जहरीले पदार्थ की मिलावट हुई हो सकती है। कुछ लोगों का कहना है कि चना में सल्फास की टिकिया मिलने से फूड प्वाइजनिंग हुई हो सकती है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। भोजन के सैंपल जांच के लिए लिए गए हैं। फिलहाल पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि भोजन में गड़बड़ी कैसे हुई। अस्पताल में सभी जवानों का इलाज जारी है और डॉक्टर उनकी लगातार निगरानी कर रहे हैं।

पशुपालन विभाग का फील्ड ऑफिसर 30 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार, निगरानी विभाग की बड़ी कार्रवाई

एजेंसी। बेतिया

बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत निगरानी विभाग (विजिलेंस) की टीम ने पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में बड़ी कार्रवाई करते हुए पशुपालन विभाग के एक फील्ड ऑफिसर अनुराग कुमार को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के बाद विभागीय हलकों में हड़कंप मच गया है। फिलहाल निगरानी विभाग की टीम आरोपी अधिकारी से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, पशुपालन विभाग के इस फील्ड ऑफिसर पर लंबे समय से रिश्वत मांगने का आरोप लगाया जा रहा था। एक पीड़ित व्यक्ति ने निगरानी विभाग से शिकायत की थी कि संबंधित अधिकारी किसी काम को कराने के एवज में 30 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच शुरू की और आरोप सही पाए जाने पर ट्रैप टीम का गठन किया गया। निगरानी विभाग की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी अधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि जैसे ही अधिकारी ने 30 हजार रुपये की रकम ली, उसी समय पहले से घात लगाए निगरानी विभाग के अधिकारियों ने उसे धर दबोचा। कार्रवाई इतनी तेज और सटीक थी कि आरोपी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। गिरफ्तारी के बाद आरोपी अधिकारी को निगरानी विभाग की टीम अपने साथ लेकर गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस मामले में कोई और व्यक्ति या अधिकारी भी शामिल है या नहीं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी अधिकारी पहले भी इस तरह की अवैध वसूली में शामिल रहा है या नहीं।

बिहार में फर्जी प्रमाणपत्र वाले टीचर्स के खिलाफ कार्रवाई तेज, तीन शिक्षकों पर केस दर्ज

एजेंसी। सीतामढ़ी

सीतामढ़ी जिले में फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी कर रहे तीन शिक्षकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिक्षा विभाग ने संबंधित शिक्षकों को चयनमुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है बिहार के सीतामढ़ी जिले में फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी कर रहे शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना की जांच में तीन शिक्षकों के प्रमाणपत्र फर्जी पाए जाने के बाद उनके विरुद्ध संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसके बाद शिक्षा विभाग ने भी सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित शिक्षकों को चयनमुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) मनीष कुमार ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्रवाई पूरी कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार, परसौनी प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय आनंदी साह, डेरा डेमा में कार्यरत कुमारी आरती रानी, बोखड़ा प्रखंड के मध्य विद्यालय भाउरगढ़ में कार्यरत रूना पासवान, और बेलसंड

प्रखंड के मध्य विद्यालय कंसार में कार्यरत सुधांशु कुमार के शैक्षणिक प्रमाणपत्र जांच के दौरान फर्जी पाए गए। इस मामले में परसौनी थाना (कांड संख्या 09/2026), बोखड़ा थाना (कांड संख्या 10/2026) और बेलसंड थाना (कांड संख्या 54/2026) में प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच में कुमारी आरती रानी और रूना पासवान का मध्यमा अंक प्रमाण पत्र, जबकि सुधांशु कुमार का इंटरमीडिएट अंक पत्र फर्जी पाया गया। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा प्राथमिकी दर्ज होने के बाद विभागीय स्तर पर भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संबंधित शिक्षकों को चयनमुक्त करने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करें और एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई का प्रतिवेदन ब्यूरो को उपलब्ध कराएं।विदित हो कि पूर्व में हुई जांच में जिले के 112 से अधिक शिक्षकों के शैक्षणिक प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए थे, जिनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इनमें से करीब 80 प्रतिशत शिक्षकों पर अब तक कार्रवाई की जा चुकी है।

फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बनने पर अभय सिन्हा का पटना में भव्य सम्मान

एजेंसी/ पटना

भारतीय फिल्म उद्योग की शीर्ष संस्था फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद फिल्म निमार्ता अभय सिन्हा का सम्मान कल पटना के प्रतिष्ठित होटल मौर्य में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में बिहार के उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा, विधायक संजीव चौरसिया और राजू कुमार सिंह, भाजपा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, बिहार सरकार के अधिकारी प्रणव कुमार, अमित लोढ़ा और गंगा कुमार के साथ प्रसिद्ध अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे और फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष पटना

निवासी निशांत उज्जवल भी शामिल हुए। कार्यक्रम में एफएफआई के उपाध्यक्ष चुने जाने पर निशांत उज्जवल को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अभय सिन्हा को बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे बिहार के लिए गर्व और सम्मान की बात है कि अब ऑस्कर जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच के लिए भारत की फिल्मों के चयन में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि आज बिहार के लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़कर विभिन्न क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। फिल्म उद्योग के संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने फिल्म निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए सब्सिडी की व्यवस्था शुरू की है, जिससे निमार्ता और निर्देशक बिहार में आकर फिल्मों की शूटिंग करने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने फिल्म जगत से जुड़े लोगों से आग्रह किया कि वे बिहार की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को अपनी फिल्मों में स्थान दें। बता दें कि फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया भारतीय फिल्म उद्योग की सर्वोच्च संस्था है, जो देशभर के प्रोड्यूसर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, एग्जिबिटर्स, स्टूडियो और विभिन्न फिल्म संगठनों का प्रतिनिधित्व करती है। यह संस्था न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारतीय सिनेमा के हितों की रक्षा और उसके प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विशेष रूप से अकादमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि का चयन करने का अधिकार भी इसी संस्था के पास है, जिससे इसका महत्व और बढ़ जाता है। गौरतलब है कि पहली बार किसी बिहारी को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभय सिन्हा लंबे समय से भारतीय फिल्म उद्योग से जुड़े रहे हैं और उन्होंने विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीए) में भी सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। उनके नेतृत्व अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और सिनेमा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें त्रक्रक्र की कमान सौंपी गई है, जिसे भारतीय सिनेमा में उनके दीर्घकालिक योगदान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस अवसर पर देश भर से निमार्ता, निशांत उज्जवल, सुषमा शिरोमणि, जी डी मेहता, संग्राम सिरके, टीनू वर्मा, धर्मेन्द्र कुमार मेहरा, विनोद गुप्ता एवं अन्य लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम में मौजूद फिल्म जगत और प्रशासनिक क्षेत्र के लोगों ने कहा कि बिहार से जुड़े इन दोनों व्यक्तित्वों का शीर्ष पदों पर चयन होना राज्य के लिए गौरव का विषय है।

बिहार में कलियुगी बेटा बना हैवान, संपत्ति के लालच में मां के मुंह में पिस्टल डालकर मारी गोली

एजेंसी। पटना

मां-बेटे का रिश्ता दुनिया के सबसे पवित्र रिश्तों में माना जाता है, लेकिन पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के गोनेपुरा गांव से सामने आई एक घटना ने इस रिश्ते को शर्मसार कर दिया। संपत्ति के लालच में एक बेटे ने अपनी ही मां को गोली मार दी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।मिली जानकारी के अनुसार गोनेपुरा गांव के रहने वाले अवधकिशोर अपनी पत्नी अनुसुई देवी और बेटे चंदन कुमार के साथ रहते हैं। बताया जा रहा है कि चंदन कुमार पिछले कई दिनों से अपने माता-पिता पर घर और जमीन अपने नाम करने का दबाव बना रहा था। इस बात को लेकर घर में अक्सर विवाद भी होता था। परिजनों के मुताबिक गुरुवार की शाम चंदन कुमार फिर से माता-पिता के पास पहुंचा और संपत्ति अपने नाम करने की मांग करने लगा। इस दौरान घर के अंदर काफी देर तक बहस होती रही। जब मां अनुसुई देवी ने बेटे की मांग मानने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि उनके और उनके पति के रहते संपत्ति किसी के नाम नहीं की जाएगी, तो चंदन कुमार गुस्से से बेकाबू हो गया। गुस्से में उसने अपनी मां पर गोली चला दी। गोली लगते ही अनुसुई देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। घायल महिला किसी तरह घर से बाहर निकलीं और मदद के लिए आवाज लगाई। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।